विक्रम मोहन

समसामयिक नृत्य

श्री विक्रम मोहन का जन्म दिल्ली में सन 1979 में हुआ था। आपने फ्रेनाडो अगुलेरा, लुसिया मार्था, टोनी याप, तथा कैथरिन डेनियल से समसामयिक नृत्य में प्रशिक्षण प्राप्त किया। आपने बैले नृत्य, जैज, हिप–हॉप, ती चि, थांग–टा, सालसा, एरियल एक्रोबैटिक्स, फ्लैमेंको, टैंगो नृत्य आदि भी सीखा है। आप नेशनल बैले एकेडमी ट्रस्ट ऑफ इंडिया, लुसिया मार्था इंस्टिटियूट फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स, ऐम्सटर्डम, टोनी याप कम्पनी, ऑस्ट्रालिया, तथा वर्टिकल सर्कस, ऑस्ट्रालिया से भी सम्बद्ध हैं।

श्री विक्रम ने देश–विदेश में बड़े पैमाने पर नृत्य प्रस्तुतियाँ दी हैं, जिनमें रूजेन्डाल फेस्टिवल, नीदरलैंड्सय बांडुंग इंटरनेशनल आर्ट फेस्टिवल, इंडोनेशियाय लैंड आर्ट ईरोज फेस्टिवल, स्वाजीलैंडय मेलाका आर्ट एंड परफॉर्मेंस फेस्टिवल, मलेशियाय भारत रंग महोत्सव, भारतय तथा आईसीसीआर का चीन टूर आदि प्रमुख हैं। आपने कई नाटकों के लिए नृत्य कोरियोग्राफ किया है तथा विभिन्न संस्थानों यथा राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली और मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल में विजिटिंग शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएँ दी हैं। आप एफटीआईआई से भी बतौर कला–प्रशिक्षक सम्बद्ध रहे हैं तथा फिल्म एंड टेलीविजन संस्थान, रोहतक तथा इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली से भी जुड़े रहे हैं।

समसामयिक नृत्य के क्षेत्र में विशिष्ट प्रतिभा को रेखांकित करते हुए श्री विक्रम मोहन को संगीत नाटक अकादेमी द्वारा वर्ष 2018 के लिए उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।